Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 08-08-2006
Participants : Jha Shri Raghunath,Yadav Shri Devendra Prasad,Patil Shri Shivraj V.,Singh Shri Sitaram,Yadav Shri Ram Kripal

an>

Title : Regarding drought situation in Bihar.

श्री सीताराम सिंह (शिवहर) : अध्यक्ष महोदय, बिहार राज्य के कई विशेा जिलों में वार्ा न होने के कारण सूखा पड़ गया है, विशेाकर शिवहर, मोतीहारी और सीतामणि जिले में बिलकुल वार्ा नहीं हुई है। पश्चिमी चम्पारण भी उन्हीं विशेा जिलों में से एक है। किसानों को नहरों द्वारा पानी नहीं मिल रहा है और सभी स्टेट ट्यूबल बंद हैं। एक बूंद पानी किसानों को नहीं मिल रहा है। अकाल की स्थिति पैदा हो गई है।

महोदय, मवेशियों के लिए चारा भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। मैं सम्पूर्ण बिहार को अकालग्रस्त क्षेत्र घोाति करने के लिए भारत सरकार से आग्रह करता हूं और केंद्रीय सहायता की मांग करता हूं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर): अध्यक्ष महोदय, यह विाय बहुत महत्वपूर्ण है। मैं भी अपने को इस विाय से संबद्ध करता हूं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will allow you. Please speak one-by-one. आपके लीडर बोल रहे हैं। आपका महत्वपूर्ण विाय है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप एक-एक करके बोलिए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :सभी बालेंगे, तो आपकी बात रिकार्ड में नहीं जाएगी। एक-एक करके बोलिए।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि यह विाय बहुत गंभीर है, इसलिए सम्पूर्ण बिहार में अकाल की स्थिति घोाति की जाए। पानी के लिए चारों तरफ हाहाकार है[i15]। वार्ा नहीं होने के कारण जो फसल लगनी थी, नहीं लग सकी। आज 8 अगस्त हो गया है। अभी तक वहां धान के बीज बिखरे हुए हैं लेकिन बीजारोपण नहीं हुआ है। वहां भयंकर रूप से अकाल की स्थिति उत्पन्न होने वाली है। अकाल की छाया अभी से मंडरा रही हैं इसलिए केन्द्र सरकार इसमें हस्तक्षेप करे। यह एक मानवीय सवाल है और पूरे 10 करोड़ लोगों के जीवन-मरण का सवाल है। मेरा आग्रह है कि पूरे बिहार को अकालग्रस्त क्षेत्र घोाति किया जाए।

MR. SPEAKER: This is a matter in which the Government should look into.

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सीताराम सिंह जी ने एक मौजूदा प्रश्न को सदन में उठाया है। हम उसके साथ सम्बद्ध करते हैं। पहले बिहार बराबर बाढ़ से तबाह होता था लेकिन पहली बार बहुत दिनों के बाद पूरे दक्षिण और उत्तर बिहार में सूखे की स्थिति हो गई है। वहां भयंकर रूप से चारे की समस्या है जिससे लोग पलायन कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में माननीय गृह मंत्री जी,

जो आपदा प्रबन्धन के प्रभारी है, उनसे आग्रह करेंगे कि वह सहानुभूतिपूर्वक बिहार के बारे में विचार करें और अकाल से निपटने में मदद करें।

MR. SPEAKER: The hon. Minister is ready to respond.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will give opportunity to every hon. Member. I know these are serious problems faced by the people.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सीताराम जी ने जिन बातों का जिक्र किया, उसके बारे में मैं भी निवेदन करना चाहता हूं। बिहार में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई है जिससे स्थिति भयंकर हो गई है। ईश्वर की लीला यह है कि वहां कभी सुखाड़ और कभी बाढ़ आती है। हम हमेशा इस विाय में चर्चा करते हैं। दुर्भाग्यवश पूरे बिहार में वार्ा प्रॉपर रूप से नहीं हुई है। जैसा देवेन्द्र जी ने ठीक कहा कि बीज भी नहीं लगाए गए हैं जिससे भविय नजर नहीं आ रहा है। हम गृह मंत्री जी से विशेा रूप से आग्रह करेंगे कि वह यथाशीघ्र वहां एक दल भेजें और असैस करे। जितनी जल्दी हो सके बिहार की वर्तमान स्थिति को देखते हुए, अवाम और जानवरों की स्थिति को देखते हुए अधिक से अधिक राशि उपलब्ध कराएं।

गृह मंत्री (श्री शिवराज वि. पाटील) : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण है। आपकी तरफ से आदेश आया है और सम्माननीय सदस्यों ने भी कहा है । हम गहराई में जाकर देखेंगे और जितनी मदद करना जरूरी है, वह करेंगे।